5 मैं बनूंगा सरपंच
मैं राजा नहीं जनता का सेवक हूं : मनोहर लाल

6 अभिमत
आतंकवाद के विरुद्ध समग्र दृष्टिकोण

9 देश/विदेश
सत्ता से बेदखल किए लोग वापसी के लिए निकाल रहे हैं यात्रा : मोदी

11 कॅरियर
कॉर्पोरेट इंटर्नशिप की ओर बढ़ें

RNI NO. HARHIN/2018/75109
फरीदाबाद, मंगलवार, 22 नवंबर, 2022

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

क्या उमरान मलिक और संजू सैमसन को मौका देगा भारत ?
पेज - 12

स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट भारत प्रतियोगिता में पुरस्कार जीते

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वामी विवेकानंद शिला स्मारक और विवेकानंद केंद्र मुख्यालय कन्याकुमारी फरीदाबाद शाखा के द्वारा उत्कृष्ट भारत प्रतियोगिता का आयोजन डीएवी महाविद्यालय फरीदाबाद में किया गया।

अग्रवाल महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के मार्गदर्शन में इन प्रतियोगिताओं में भागीदारी की। स्वामी विवेकानंद शाखा फरीदाबाद के द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित ग्रुप डिस्कशन एटलस तथा खेलों का आयोजन किया। जिसमें अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और एक बी कॉम की छात्रा प्रीति ने अपने विवेक पूर्ण विचार रखने के लिएसांत्वना पुरस्कार भी जीता।

स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट भारत प्रतियोगिता की विजेता छात्राओं के अग्रवाल कालेज बल्लभगढ़ के छात्र और छात्राओं के साथ प्राचार्य डा. कृष्णा कांत गुप्ता व अन्य टीचर।

महाविद्यालय की वाणिज्य विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ. रेखा सैन के नेतृत्व में बच्चों ने इन कार्यक्रमों में कुशल प्रदर्शन किया द्य प्रांजल, लोकेश, दिव्या, श्रुति, ईशा, गौरी प्रीति इत्यादि बी कॉम के सोलह छात्र-छात्राओं ने कार्यशाला में भागीदारी की तथा द्वितिय पुरस्कार 1100 रु एवं 250 रुपये सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया था। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन का मुख्य उद्देश्य रामकृष्ण परमहंस और मां शारदा के आशीर्वाद और स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से विद्यार्थियों के जीवन को सार्थक बनाया जा सके।

वाणिज्य विभाग से डॉ. रेखा सैन को भी स्वामी विवेकानदजी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। भविष्य में भी इन प्रतियोगिताओं में भागीदारी करते रहने के लिए प्रेरित किया तथा विवेकानंद के कथन 'उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत' पर भी चर्चा की।